(ग) यदि हां, तो ये अनदेश कब तक दिये जायेंगे ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार) : (क) से (ग). मार्च, १९६१ में यह अनदे जारी किया गया कि चुने हुए अनभागों में जिनमें कि अधिकांश लोग पहले से ही हिन्दी जानते हैं, अंग्रेजी के अलावा, प्रयोगात्मक रूप से, हिन्दी के व्यवहार की भी छट दे दी जाय । विभिन्न मंत्रालयों में इसके लिए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है ।

विदेश भेजे गये सांस्कृतिक प्रतिनिधि मंडल

९२९. **श्री क० भे० मालवीय** : क्या **वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिसम्बर, १९६० से जून, १९६१ तक कितने सांस्कृतिक प्रतिनिधि मंडल विदेश भेजे गये ;

(ख) ये प्रतिनिधि मंडल किन किन प्रयोजनों के लिये भेजे गये थे ; और

(ग) उन पर कुल कितना व्यय हुआ ?

वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक कार्य मंत्री (श्री हुमायूं कबिर) : (क) १४.

(ख) विदेशों से सांस्कृतिक सम्बन्ध बढ़ाने के लिये ।

(ग) रुपये १,९१,६३२.८२ नये पैसे ।

निजी थैलियां

९३०. **श्री क० भे० मालवीय** : क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजे-महाराजों की निजी थलियों की राशि जो उन्हें उत्तराधिकार में मिलती है, कुछ कम कर दी गई है ; और

(ख) यदि हां, तो उन राजे महाराजों के नाम क्या हैं और उनकी मूल तथा कम की गई निजी थैशियां की क्रमशः राशियां क्या हैं ?

गृह-कार्य मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : (क) जी

(ख) राजे-महाराजों के नाम

	मूल राशि रुपये	कम की गई राशि रुपये
डेलाथ के ठाकुर	३,०००	२,०००
महाराजा बीकानेर	१७,००,०००	१०,००,०००
बेजा के ठाकुर	३,०००	२,४००
महाराजा बड़ौदा	२६,५०,०००	१४,५४,०००
महाराजा जोधपुर	१७,५०,०००	१०,००,०००
ढाडी के ठाकुर	३,०००	२,४००
डारकोटी के राना	३,०००	२,४००
महाराजा मनीपुर	३,००,०००	२,५४,०००
मंगाल के राना	३,०००	२,४००
भोपाल के शासक	११,००,०००	६,७०,०००
महाराजा बस्तर	२,१०,०००	१,५०,०००
कलसिया के राजा	६५,०००	६०,०००

प्रारम्भिक हिन्दी एकक

९३१. **श्री क० भे० मालवीय** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने प्रत्येक मंत्रालय में प्रारम्भिक हिन्दी एकक बनाने का निश्चय किया है ;

(ख) यदि हां, तो विभिन्न मंत्रालयों ने इस दिशा में क्या कार्यवाही की है ; और

(ग) क्या ये एकक हिन्दी जानने वाले कर्मचारियों को एकत्रित करके बनाया जायेगा ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार) : (क) जी नहीं । लेकिन २७ मार्च, १९६१ को यह अनुदेश जारी किया गया कि अंग्रेजी के अलावा, प्रयोगात्मक रूप से, हिन्दी में भी टिप्पणी लिखने की इजाजत दी जाये सैक्रेटेरियट के ऐसे चुने हुए अनुभागों में जहां कि अधिकांश कर्मचारी पहले से ही हिन्दी जानते हैं ।

(ख) पूरा विवरण अभी उपलब्ध नहीं है । इस सम्बन्ध में प्रत्येक मंत्रालय से यह अनुरोध किया जा रहा है कि इस विषय पर भी वह अर्धवार्षिक रिपोर्ट भेजा करें ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

विभिन्न न्यायालयों के विचाराधीन मामले

९३२. **श्री क० भे० मालवीय** : क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १ जुलाई, १९६१ को भारत के उच्चतम न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों में कितने व्यवहार तथा दण्ड सम्बन्धी मामले विचाराधीन थे ; और

(ख) इन मामलों को जल्दी से जल्दी निबटाने के लिये सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दातार) : (क) और (ख) एक विवरण पत्र सभा पटल पर रख दिया गया है । **[देखिये परिशिष्ट २ , अनुबन्ध संख्या १३]**

भारत के गजट में हिन्दी के भाग

९३३. **श्री क० भे० मालवीय** : क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मार्च, १९६१ से अब तक भारत के गजट के कौन कौन भाग हिन्दी में प्रकाशित हुए हैं ;

(ख) यदि कोई नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) इस दिशा में सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार) : (क) कोई नहीं ।

(ख) और (ग) हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग से सम्बन्धित कार्यक्रम के अनुसार गजट आफ इंडिया के चुने हुए भागों को हिन्दी में भी प्रकाशित करने का प्रबन्ध १९६२–६३ से होना है ।

Stores Manufactured in Ordnance Factories

934. Shri Chuni Lal: Will the Minister of **Defence** be pleased to state what machines are being manufactured for civilian use in the factories under the Ministry of Defence?

The Minister of Defence (Shri Krishna Menon): Machines which are now being manufactured in Ordnance Factories include:—

(1) Precision Tool Room Lathe.

(2) Capstan Lathe 2½"